



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

13 अग्रहायण 1941 (श10)

(सं० पटना 1319) पटना, बुधवार, 4 दिसम्बर 2019

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद
विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

29 सितम्बर 2018

सं० 842—पटना जिलान्तर्गत श्री श्री द्वय महावीर स्थान, गुड़ की मंडी, अरफाबाद, राजपूत टोली, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के तहत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०— 4476, दिनांक 24.01.2018 है।

इस न्यास के संबंध में स्थानीय जनता का एक आवेदन पर्षद को प्राप्त हुआ, जिसमें न्यास के संबंध में सूचना दी गयी तथा निबंधन किये जाने का अनुरोध किया गया। पर्षदीय पत्रांक— 3304, दिनांक 27.03.2017 द्वारा अंचल अधिकारी सदर पटना को न्यास की जाँच हेतु पत्र दिया गया। न्यास का पर्षद के द्वारा स्थल निरीक्षण भी करवाया गया। स्थल निरीक्षण में मन्दिर को प्राचीन एवं सार्वजनिक पाया गया तथा इसका प्रबंधन स्थानीय जनता के द्वारा किया जाना प्रकाश में आया। मन्दिर के निबंधन हेतु श्री नीरज कुमार आजाद (आवेदक) से शपथ-पत्र भी प्राप्त किया गया। तदुपरान्त न्यास का निबंधन पर्षद में किया गया। पर्षद को पत्र दिनांक 05.02.2018 द्वारा आम सभा में चयनित सदस्यों की सूची न्यास समिति गठन हेतु प्राप्त हुयी। पर्षदीय पत्रांक—2536, दिनांक 05.03.2018 द्वारा उक्त सूची को थाना प्रभारी, आलमगंज को चरित्र सत्यापन हेतु प्रेषित किया गया। थाना से प्रतिवेदन नहीं प्राप्त हुआ परन्तु लोक सेवाओं के अधिकार अधिनियम के तहत वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय से प्रस्तावित न्यास समिति के सात सदस्यों का चरित्र सत्यापन प्राप्त हुआ। प्राप्त सूची को पर्षदीय पत्रांक—707, दिनांक 11.09.2018 को न्यास स्थल पर चस्पा किया गया। निर्धारित समय सीमा समाप्त हो जाने के बाद भी किसी प्रकार की कोई आपत्ति पर्षद कार्यालय को प्राप्त नहीं हुयी है।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास के लिए बिहार राज्य धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, प्रशासक, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 8 (क) सह पठित धारा— 32 (1) एवं 81 (ख) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री श्री द्वय महावीर स्थान, गुड़ की मंडी, अरफाबाद, राजपूत टोली, पटना जिसका प्लॉट संख्या—1758, होल्डिंग नं०—15, रकबा—30 डी० के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “ श्री श्री द्वय महावीर स्थान, गुड़ की मंडी, अरफाबाद, राजपूत टोली, पटना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “ श्री श्री द्वय महावीर स्थान, गुड़ की मंडी, अरफाबाद, राजपूत टोली, पटना” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्तियों की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ, तीर्थ-यात्री एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय, न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में, आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के बजट, आय-व्यय की विवरणी, पर्षद शुल्क, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलायी जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझी जाय, तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।

8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमिता/हस्तान्तरित भूमि, यदि कोई हो तो, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे, तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

(1) श्री किशोरी प्रसाद, पिता-स्व0 बद्री साव, पटना	—	अध्यक्ष
(2) श्री नीरज कुमार आजाद, पिता-स्व0 बद्री पासवान, पटना	—	सचिव
(3) श्री मनोज साव, पिता-स्व0 मथुरा साव, पटना	—	कोषाध्यक्ष
(4) श्री जानकी महतो, पिता-स्व0 रघुवीर महतो, पटना	—	सदस्य
(5) श्री रामनाथ पंडित, पिता-स्व0 भोला पंडित, पटना	—	सदस्य
(6) श्री राजू कुमार, पिता- श्री बैजू प्रसाद, पटना	—	सदस्य
(7) श्री अमित कुमार अलबेला, पिता-स्व0 नथुनी महतो, पटना	—	सदस्य

13. उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्यकाल, अधिसूचना का गजट प्रकाशन होने की तिथि से अगले 05 वर्षों का होगा, लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर न्यास समिति की निरन्तरता पर यथोचित निर्णय लिया जा सकेगा।

विश्वासभाजन,
अखिलेश कुमार जैन,
प्रशासक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 1319-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>